

भारतीय जादू जगत् को समर्पित हिंदी मासिक पत्रिका

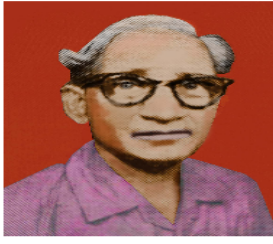


मायावी दुनिया

संस्थापक - प्रकाशक, प्रधान संपादक जादूगर प्रह्लाद राय, जयपुर

मुख्य संरक्षक जादूगर एस.के. निगम
संरक्षक डॉ. पी.एस. जैन
ब्रांड एम्बेसडर इलुजनिस्ट राजकुमार
मानद संपादक जादूगर इंजीनियर मनोज कौशिक
सह संपादक जादूगर इंजीनियर भारत भूषण पही
स्तंभ संपादक एवं उप संपादक स्टंटमैन जादूगर शिव कुमार, जादूगर भरतराज
संपादक मण्डल - जादूगर सिंहराज, रॉबर्ट, आर. जी. टांक, बलजीत सोनी, प्रेम कुमार गुप्ता
प्रवक्ता :- अर्जुनसिंह
प्रबंध संपादक :- डॉ. सी. पी. यादव

सिर्फ जादू की बात हो, सभी जादूगर साथ हों।



भारतीय जादू पत्रकारिता के युग
पुरुष कला तपस्वी स्वर्गीय श्री
प्रेमनाथ योगीईश एवं स्वर्गीय श्री
लाल दास जी पर्जन्य को
शत-शत नमन



वर्ष: - {07+14 (ऑन लाईन)} माह: - सितंबर 2026 अंक: - 165

**14 सितंबर गणेश चतुर्थी एवं 15 सितंबर अभियंता दिवस
की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं**

**मायावी दुनिया के ब्रांड एम्बेसडर इलुजनिस्ट राजकुमार व मेंटलिस्ट
तुषार कुमार ने भारतीय जादू का परचम विदेश में फहराया**



- जादूगर प्रह्लाद राय, जयपुर

भारतीय जादू जगत् के लिए गर्व का क्षण। मायावी दुनिया परिवार के ब्रांड एम्बेसडर इल्यूजनिस्ट राजकुमार और उनके सुपुत्र मेंटलिस्ट तुषार राजकुमार ने यूरोप और मिडिल ईस्ट टूर 2026 में भारतीय जादू प्रदर्शन की धूम मचा दी।

यह टूर दिल्ली स्कूल ऑफ मैजिक द्वारा एक्सक्लूसिवली मैनेज किया जा रहा है। टूर की टैगलाइन **"One Journey. Endless Wonder. Magic Beyond Borders."** है। प्राप्त जानकारी के अनुसार यह जादुई यात्रा तीन देशों में

फ्रैंकफर्ट (जर्मनी) में 2, 3, 4 और 5 सितंबर 2026

ज्यूरिख (स्विट्जरलैंड) 7 और 8 सितंबर 2026

दुबई (यूएई) 10 सितंबर 2026 को 8 शो के साथ संपन्न हुई।

इलुजनिस्ट राजकुमार भारतीय जादू जगत का एक ब्रांड नाम हैं और उन्होंने जादू को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाई है। उनके साथ उनके पुत्र मेंटलिस्ट तुषार राजकुमार ने अपने मेंटलिज्म और माइंड रीडिंग के अद्भुत कारनामों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर खूब सराहना अर्जित की है।



जादूगर राजकुमार न केवल भारतीय सेलिब्रिटी जादूगरों में बल्कि विश्व के विख्यात जादूगरों में भी अपनी विशिष्ट पहचान रखते हैं। ब्रदरहुड इतना कि विदेशों में भी जब शो होते हैं तब राजकुमार भारतीय दर्शकों को बतौर गेस्ट शो में आमंत्रित करते हैं।

विश्व के महान अमेरिकी जादूगर फ्रांज हरारे का शो गुरुग्राम में किंगडम आफ ड्रीम्स में लगा था, सैकड़ों जादूगरों को इन्होंने फ्रांज का मंहगा टिकट का शो फ्री दिखाया। हमने भी शिवकुमार और भंवर तलायचा को शो दिखाने का आग्रह किया राजकुमार ने न केवल शो दिखाया बल्कि स्वयं भी दिल्ली से गुरुग्राम आ गए। हमें भी शो दिखाया, मतलब ब्रदरहुड इनके खून की एक एक बूंद में है।

मायावी दुनिया परिवार दोनों कलाकारों के इस विश्व स्तरीय टूर पर हर्षित है गर्वित है।

बहन भाई की जोड़ी का शानदार जादू



तुषार राजकुमार और आंचल राजकुमार का दुबई में माइंड हैकिंग शो का शानदार प्रदर्शन किया, प्राप्त समाचार अनुसार मायावी दुनिया के ब्रांड एंबेसडर इलुजनिस्ट राजकुमार के पुत्र तुषार एवं पुत्री आंचल ने 10 सितम्बर को दुबई (यू ए इ) में जादू का अद्भुत माइंड हैकिंग शो का प्रदर्शन कर दर्शकों की खूब तालियां बटौरी।

इनका कहना है माइंड रीडिंग कोई जादू नहीं है यह तो माइंड का साइंस है। मायावी दुनिया परिवार दोनों बहन भाइयों को बधाई प्रेषित करता है।

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने 'जादूकमल बाबू लक्ष्मण सिंह गहलोत जयंती सम्मेलन' का पोस्टर जारी किया

'जादूकमल बाबू लक्ष्मण सिंह गहलोत' की याद में आयोजित होने वाले मैजिक कन्वेंशन (जादू सम्मेलन) का पोस्टर, राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने 16 अगस्त को जयपुर स्थित अपने आवास पर जारी किया।

'मायावी दुनिया' से मिली जानकारी के अनुसार, यह सम्मेलन 'जादूकमल बाबू लक्ष्मण सिंह गहलोत समारोह समिति' के तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है और यह 26 से 28 जनवरी 2027 तक राजस्थान के चित्तौड़गढ़ में होगा।

इस कार्यक्रम में राजस्थान के कई जादूगर मौजूद थे। श्री अशोक गहलोत के बेटे श्री



वैभव गहलोत भी समारोह में शामिल हुए। पोस्टर जारी करने के दौरान एक प्रेस कॉन्फ्रेंस भी हुई, जिसके बाद जादू की दुनिया से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई।

'मायावी दुनिया' पत्रिका परिवार आयोजन समिति को बधाई देता है और सम्मेलन की सफलता के लिए शुभकामनाएं देता है।

गौरतलब है कि इस पत्रिका के संस्थापक, प्रकाशक और प्रधान संपादक, जादूगर प्रहलाद राय ने सम्मानित लक्ष्मण सिंह गहलोत के जीवन पर आधारित "जादूकमल बाबू लक्ष्मण सिंह गहलोत – व्यक्तित्व एवं कृतित्व" नामक पुस्तक लिखी है। इस पुस्तक का विमोचन भी पूर्व मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने 15 मार्च 2025 को किया था।

मिस इंडिया कंचन कटारिया ने मेगा स्टार शिव कुमार के 'मायाजाल' शो की शोभा बढ़ाई - सिरसा में समापन समारोह और फतेहाबाद शो का उद्घाटन किया

मिस इंडिया 2019 और मिस एशिया अवार्ड 2025 (दुबई) से सम्मानित कंचन कटारिया, सिरसा और फतेहाबाद दोनों जगहों पर जादूगर शिव कुमार के शो का मुख्य आकर्षण रहीं।

सिरसा में, मैडम कटारिया - जो अभी अपने गृहनगर आई हुई हैं - ने 23 अगस्त को



शो के उद्घाटन और समापन समारोह, दोनों में हिस्सा लिया। समापन समारोह में, उन्होंने और मेगा मैजिक स्टार शिव कुमार ने एक-दूसरे का सम्मान किया। मंच से

शो की तारीफ़ करते हुए उन्होंने कहा कि उन्होंने इसे दो बार देखा है और इसे परिवार के लिए बेहतरीन मनोरंजन बताया।

अपना समर्थन जारी रखते हुए, मैडम कटारिया ने फतेहाबाद के DSP संजय कुमार के साथ मिलकर 28 अगस्त (रक्षाबंधन) को फीता काटकर फतेहाबाद में शिव कुमार के 'मायाजाल' शो का उद्घाटन किया। SP सुश्री निकिता खट्टर भी कुछ देर के लिए शो में शामिल हुईं।

फतेहाबाद में खचाखच भरे हॉल को संबोधित करते हुए, मैडम कटारिया ने दर्शकों से शो देखने की अपील की। उन्होंने इसे सामाजिक संदेशों से भरपूर एक शानदार पारिवारिक मनोरंजन बताया, जो बच्चों और पूरे परिवार के लिए बेहतरीन है।

'मायावी दुनिया' परिवार ने मैडम कटारिया के लगातार समर्थन के लिए उनका दिल से आभार व्यक्त किया और उन्हें शुभकामनाएं दीं।

ग्रेट स्टंट मैन जादूगर शिवकुमार के मायाजाल का भव्य शुभारंभ 18 को हनुमान गढ़ टाउन में



देश के एक मात्र विख्यात स्टंट मैन मेगा मैजिक स्टार जादूगर शिवकुमार फतेहाबाद, हरियाणा में अपार सफलता के बाद 18 सितंबर से हनुमानगढ़ टाउन में अपने मायाजाल का भव्य शुभारंभ कर रहे हैं।

पब्लिसिटी एक सप्ताह पूर्व शुरू हो चुकी है। हनुमानगढ़ के दर्शक बेताबी से विश्व स्तरीय मायाजाल देखने को बेताब हो रहे हैं।

उत्तम मैरिज पैलेस हनुमानगढ़ टाउन में रोजाना दर्शक पूछ परख करने आते हैं।

जन्माष्टमी के मौके पर सम्राट शंकर का 'इंद्रजाल'

31 अगस्त को सम्पन्न

हर साल की तरह, इस साल भी 'समृद्ध समाज फाउंडेशन' के तत्वावधान में, मशहूर जादूगर सम्राट शंकर का शो जन्माष्टमी के मौके पर 31 अगस्त को रात 8:30 बजे जापानी पार्क, रोहिणी, दिल्ली में आयोजित किया जाएगा।



गौरतलब है कि यह शो हर साल दर्शकों के लिए मुफ्त आयोजित किया जाता है। इस उम्र में भी, सम्राट शंकर वैसी ही शानदार परफॉर्मेंस दे रहे हैं जैसी वे 25-30 साल पहले दिया करते थे। सम्राट शंकर जादू की दुनिया की शान हैं।

'मायावी दुनिया' परिवार सम्राट शंकर को शुभकामनाएं देता है।

पुणे में एक दिवसीय सम्मेलन 16 जनवरी को, मदन भारती को साहित्य रत्न शिरोमणि अवार्ड



स्फूर्ति प्रेरणा: अध्यक्ष जादू महर्षि जादूगर पी. राय (संस्थापक एवं मुख्य सम्पादक, मायावी दुनिया पत्रिका, राजस्थान)

जादूकला के प्रेमियों और जादूगरों के लिए वर्ष 2027 की शुरुआत एक विशेष आयोजन के साथ होने जा रही है। 16 जनवरी 2027 को महाराष्ट्र की सांस्कृतिक एवं रंगमंचीय नगरी पुणे में राष्ट्रीय जादू परिषद पुणे के तत्वावधान में एक दिवसीय सम्मेलन उद्यानप्रसाद कार्यालय, एस.पी. कॉलेज के पास, तिलक रोड, पुणे-30 में आयोजित किया जा रहा है।

यह सम्मेलन जादूगरों के बीच मिलन, ज्ञान-विनिमय, अनुभवों के आदान-प्रदान और नई पीढ़ी को प्रेरणा देने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। यह आयोजन दिलीप जी (भाऊ साहब झोडगे) के मार्गदर्शन एवं समन्वय में होने वाली 9 सफल जादू सम्मेलनों की यात्रा की अगली कड़ी है।

इस आयोजन की सबसे आकर्षक बात इसकी केवल ₹300 की डेलिगेट फीस है। आयोजकों का मानना है कि देशभर में लगातार हो रहे जादू सम्मेलनों के बीच जादूगरों पर आर्थिक भार न पड़े और अधिक से अधिक कलाकार इस आयोजन में शामिल हो सकें, इसलिए शुल्क को बेहद किफायती रखा गया है।

सम्मेलन में जादूगरों को साथी कलाकारों से मिलने, नई तकनीक एवं विचारों को जानने, अपने अनुभवों का आदान-प्रदान करने तथा जादूकला के भविष्य पर विचार करने का अवसर मिलेगा। साथ ही नई पीढ़ी के जादूगरों को प्रोत्साहित करने और जादू समाज में एकता एवं सहयोग की भावना मजबूत करने पर भी विशेष जोर रहेगा।

आयोजन के केंद्र में दिलीप जी भाऊ साहब झोडगे का व्यक्तित्व भी विशेष आकर्षण है। 82 वर्ष की उम्र में भी जादूकला और युवा जादूगरों के प्रति उनका सक्रिय एवं उत्साही बने रहना, उनका अनुभव और जादूकला के प्रति समर्पण निश्चित रूप से नई पीढ़ी के कलाकारों के लिए प्रेरणादायी है।

सम्मेलन में विख्यात जादू लेखक मदन भारती को "साहित्य रत्न शिरोमणि" अवार्ड से सम्मानित किए जाने का निर्णय लिया गया है, यह जानकारी भाऊ साहब झोडगे ने जादूगर प्रहलाद राय को दी है।

मायावी दुनिया पत्रिका परिवार की ओर से इस अनूठी और किफायती पहल के लिए दिलीप जी (भाऊ साहब झोडगे) एवं पूरी आयोजन टीम को हार्दिक शुभकामनाएँ।

राजस्थानी साहित्य-संस्कृति के संवाहक चतुर सिंह राजपुरोहित
(जादूगर सिंहराज) को "गांधी सेवा रत्न अवॉर्ड-2026"

श्री बजरंग लाल गांधी स्मृति दिवस पर आदर्श समाज समिति इंडिया, सूरजगढ़,



झुनझुनू, राजस्थान द्वारा आयोजित राष्ट्रीय प्रतिभा सम्मान समारोह में रियांबडी, नागौर निवासी श्री चतुर सिंह राजपुरोहित (जादूगर सिंहराज) को उनकी ऐतिहासिक रचना मारवाड़ी कुचामणी ख्याल वीर शिरोमणि पाबू जी राठौड़ एवं बहुआयामी सेवाओं के लिए प्रतिष्ठित “गांधी सेवा रत्न अवॉर्ड-2026” से 1 सितंबर 2026 को सम्मानित किया गया। इससे पूर्व भी राजपुरोहित को नकद पुरस्कार एवं अनेक सनगठनों द्वारा सम्मानित किया जा चुका है। इनकी ऐतिहासिक रचना की चर्चा अनेक जनरल नालेज की पुस्तकों में तथा अनेक कोचिंग संस्थानों में की जा रही है। इनके द्वारा लिखित कुचामणी ख्याल का मंचन मारवाड़ी खेलों के कलाकारों द्वारा अनेक शहरों / कस्बों में लगातार किया जा रहा है।

याद रहे राजपुरोहित वरिष्ठ जादूगर सिंहराज मायावी दुनिया के संस्थापक तथा मुख्य संपादक श्री प्रहलाद राय के प्रथम प्रिय शिष्य रहे हैं। वर्षों तक गुरु शिष्य ने एक ही मंच पर इलुजन शो किए हैं।

जादूकला को समाज सेवा का सशक्त माध्यम बनाया — जादू के मनोरंजक प्रदर्शनों के जरिए उन्होंने सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध जन-जागृति, नशा-मुक्ति और शिक्षा के प्रचार-प्रसार का कार्य किया।

उनकी इसी मेहनत, हिम्मत, साहस, धैर्य और समर्पण को सम्मान-पत्र एवं स्मृति चिह्न प्रदान कर सराहा गया। संस्था ने उनके कार्यों को समाज के लिए प्रेरणादायी बताते हुए उनके सुख-समृद्धि, दीर्घायु एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

यह सम्मान न केवल एक व्यक्ति का सम्मान है, बल्कि राजस्थानी लोककला, साहित्य और जादूकला के माध्यम से हो रही निस्वार्थ समाज सेवा का सम्मान है। यह रियांबडी नागौर की धरती के लिए गौरव का क्षण है। मायावी दुनिया पत्रिका परिवार की ओर से अपने परिवार के सदस्य, संपादक मंडल के सदस्य जादूगर सिंहराज (राजपुरोहित) को हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की अनंत शुभकामनाएं।

एक सूचना सम्मेलन / समारोह आयोजकों के लिए

कुछ सम्मेलन/समारोह आयोजक मायावी दुनिया परिवार में फूट डालने का असफल प्रयास करेंगे और कर भी रहे हैं। मुझे कोई फोन करके सहयोग मांगता है वहां तक ठीक है हम मीडिया है।

किंतु कोई मुझे आमंत्रित करे और परिवार के अन्य सदस्यों को बात भी न करें तो मैं तो किसी हाल में आमंत्रण स्वीकार नहीं करूंगा मतलब मायावी दुनिया पत्रिका परिवार को आमंत्रण स्वीकार नहीं होगा।

ब्रांड एम्बेसडर, मानद संपादक, सह संपादक, उप संपादक, प्रवक्ता, प्रबंध संपादक, स्तंभ संपादक व संपादक मंडल के सदस्यों के नाम फ्रंट बैनर पर हैं सभी को आमंत्रित करना अनिवार्य होगा, कोई आए या न आए। वैसे भी अधिकांश जादूगरों को व्यक्तिगत आमंत्रित किया ही जाता है तो मायावी दुनिया संपादक मंडल को क्यों नहीं किया जा सकता?

जादूगर प्रहलाद राय, संस्थापक-प्रकाशक एवं प्रधान संपादक, मायावी दुनिया।

जादूगर जे. के. शर्मा ने DAV स्कूल, अजमेर में जादू का शो किया

अजमेर के सीनियर जादूगर, जे. के. शर्मा, एक बार फिर "समन्वय सोशल ऑर्गनाइजेशन" के साथ मिलकर स्कूली छात्रों के बीच जादू के ज़रिए सामाजिक संदेश फैला रहे हैं।

इसी क्रम में, 22 अगस्त को उन्होंने DAV सीनियर हायर सेकेंडरी स्कूल, अजमेर में एक घंटे का शानदार जादू का शो पेश किया, जिसे छात्रों और स्टाफ़ ने खूब सराहा। स्कूल प्रशासन ने शर्मा को उनके प्रदर्शन और अपनी कला के ज़रिए ज़रूरी सामाजिक संदेश देने के लिए सम्मानित किया।



मानो तो भला ना मानो तो भला। **हम जादूगर ऐसा क्यों नहीं करते?**

जादूगर इंजीनियर मनोज कौशिक

मानद सम्पादक, मायावी दुनिया, +919875142678

Email: - kmgrvpn@gmail.com

जादूगर भाइयों नमस्कार।

गतांक में हमने जादूगरों को अपने स्वयं के स्तर पर रहकर, अपना नाम, ख्याति का इत्यादि कैसे उपयोग कर सकते हैं संबंध में वार्ता की थी।

इसी वार्ता को आगे बढ़ाते हुए इस अंक में गत एक महीने में जो मुझे अनुभव हुआ मैं आप सब तक पहुंचाने का प्रयास कर रहा हूं। वर्तमान युग में जादूगरों की वरिष्ठ जादूगरों की स्थिति इस प्रकार है की नई जैन जी (Gen - Z) उन्हें जादूगर मानना ही नहीं चाहती, जबकि जादू के मूल स्वरूप मूल विधाएं और मूल प्रकार उन्हीं की तरह के वरिष्ठ जादूगरों से नई पीढ़ी तक पहुंचे हैं, E मैजिक, मोबाइल मैजिक या टैबलेट मैजिक जिनमें की

इलेक्ट्रॉनिक गैजेट काम आते हैं को छोड़ दिया जाए तो पुरातन जादू की विधाओं में वरिष्ठ जादूगर इस नई पीढ़ी से बहुत ऊपर के स्तर पर हैं।

एक कहानी से हम सब यह समझने का प्रयास करेंगे-

एक पहलवान पिता के पुत्र हुआ। पहलवान पंजा लड़ाने में हमेशा चैंपियन रहा उसको पंजा लड़ाते हुए देखकर उसके बेटे ने भी पंजा लड़ाने का गुर सीख लिया, धीरे-धीरे पहलवान का बेटा जवान हुआ और पहलवान बुढ़ा हो गया। उसके जवान बेटे को अपने हुनर पर अहंकार आ गया और उसे लगा कि मेरे पिताजी जो कि पूरे राज्य के चैंपियन है, से पंजा लड़ा कर यदि उन्हें हरा दिया जाए तो मैं एक ही लड़ाई में राज्य का चैंपियन बन जाऊंगा।

इसी विचार को लेकर वह अपने पिता के पास गया और सभा में उन्हें चुनौती देने लगा। क्या आप मुझसे पंजा लड़ा कर जीत सकते हैं? पिता केवल पढ़ा लिखा नहीं था उसने ज्ञान को गुना भी था।

पिता ने बहुत शानदार जवाब दिया बेटा मेरा पंजा तुम्हारे पंजे से लड़ने के लिए नहीं है। तुम जब संसार भर के पंजा लड़ाने वाले पहलवानों को पटकनी देकर वापस आओगे तो तुम्हारी पीठ थपथपाने के लिए है।

वह लड़का भी निरुत्तर हो गया और सभा भी। हमें भी कुछ ऐसा ही करना चाहिए। हमारे अगली पीढ़ी हमसे आगे निकली है तो उसे शाबाशी के लिए हमारा पंजा भी उनके पीठ पर होना चाहिए।

देखना यह भी है की नई पीढ़ी को भी अपने वरिष्ठ जादूगरों से पंजा लड़ाने का आग्रह नहीं करना चाहिए।

हम ऐसा क्यों नहीं कर सकते, हमें ऐसा ही करना चाहिए। यह सब बातें विचारणीय है। यह मेरी व्यक्तिगत धारणा है कि हमें इस पर विचार करना चाहिए, यह सोचने का विषय है? शेष आप सभी प्रज्ञबुद्धि हैं, आप सब मुझसे अधिक बुद्धिमान है, विद्वान है, जानकार हैं, प्रज्ञावान है तो हम तो यही कहेंगे कि मानो तो भला न मानो तो भला।

जादूगर सरोज राय ने मचाया धमाल



5 सितंबर 2026 को बोकारो स्थित मारुति-सुजुकी सेक्टर 4 परिसर में मारुति-सुजुकी की नई कार "VICTORIS" के सफल एक वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में प्रसिद्ध जादूगर सरोज राय द्वारा एक भव्य जादू का कार्यक्रम किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ वहाँ के प्रबंधक श्री दिनेश सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया।

इस अवसर पर बोकारो के प्रबुद्ध जन, महिला एवं बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया साथ ही साथ मारुति-सुजुकी के सभी सदस्यों की भी सहभागिता रही। जादूगर सरोज राय ने अपने अद्भुत और रोमांचक जादुई खेलों से उपस्थित दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। कार्यक्रम का मुख्य

आकर्षण रुमाल से कबूतर निकालना तथा खाली हाथों से नोटों की बरसात रहा। इनके प्रदर्शन को देख कर दर्शकों के तालियों की गड़गड़ाहट से पूरा परिसर गूंज उठा। कार्यक्रम के समापन के बाद जादूगर सरोज राय को अंग वस्त्र और उपहार देकर सम्मानित किया गया।

मायावी दुनिया' की सबसे बड़ी ताकत एकता और भरोसा

-इंजी. जादूगर मनोज कौशिक

'मायावी दुनिया' परिवार के संस्थापक-प्रकाशक और प्रधान संपादक, जादूगर प्रह्लाद राय ने परिवार की एकता, भरोसे और सम्मान के बारे में एक स्पष्ट संदेश दिया है।

राय ने कहा, "भरोसा करना हमारी इंसानियत, हमारा गुण और हमारी खूबी है, जबकि भरोसा तोड़ना उन लोगों की फितरत है जो ऐसा करते हैं।"

उन्होंने कहा कि समय-समय पर 'मायावी दुनिया' परिवार के बाहर के कुछ लोगों पर भरोसा किया गया, लेकिन दुर्भाग्य से, कुछ लोग उस भरोसे पर खरे नहीं उतरे और उसे ठेस पहुंचाई। किसी पर भरोसा करना हमारी गलती नहीं थी; गलती उस व्यक्ति की थी जिसने भरोसा तोड़ा। उन्होंने स्पष्ट किया कि ऐसी व्यक्तिगत घटनाओं का 'मायावी दुनिया' परिवार की एकता, प्रतिष्ठा और कामकाज पर ज़रा भी असर नहीं पड़ा है। 'मायावी दुनिया' आज भी अपने सिद्धांतों और परंपराओं के साथ मजबूती से खड़ी है और भारतीय जादू की दुनिया की सेवा के लिए पूरी लगन से काम करती रहेगी। उन्होंने सभी सदस्यों से कहा कि अगर कोई व्यक्ति, 'मायावी दुनिया' परिवार के कुछ सदस्यों को छोड़कर, केवल व्यक्तिगत रूप से संपर्क या आमंत्रित करता है, तो ऐसी स्थिति में भावनाओं में बहने के बजाय समझदारी, जागरूकता और दूरदर्शिता के साथ निर्णय लेना ज़रूरी है।

राय साहब ने कहा, "'मायावी दुनिया' को नाकाम करना कोई मज़ाक नहीं है। यह एक दिन, एक व्यक्ति या कुछ लोगों की कोशिशों का नतीजा नहीं है। यह सालों की कड़ी मेहनत, लगन, भरोसे और लगातार सेवा से बनी एक मज़बूत पहचान और संस्था है। इस मज़बूत नींव को हिलाना न सिर्फ़ मुश्किल है, बल्कि नामुमकिन है।" उन्होंने आगे कहा कि कोई कितनी भी कोशिश कर ले, 'मायावी दुनिया' परिवार की एकता, आपसी भरोसे और सम्मान को कमज़ोर नहीं किया जा सकता। क्योंकि इसकी सबसे बड़ी ताकत किसी एक व्यक्ति में नहीं, बल्कि पूरे परिवार की सामूहिक निष्ठा, एकता और आपसी भरोसे में है। हम सबकी ज़िम्मेदारी है कि हम व्यक्तिगत निमंत्रणों या व्यक्तिगत रिश्तों से ऊपर उठकर 'मायावी दुनिया' परिवार की गरिमा, एकता, परंपरा और सिद्धांतों को प्राथमिकता दें। यह सिर्फ़ एक नाम नहीं, बल्कि सालों की सेवा, संघर्ष और लगन से बनी एक पहचान है। और इस पहचान की सबसे बड़ी ताकत हमारी एकता है। मायावी दुनिया परिवार के पदाधिकारी-

संस्थापक-प्रकाशक और प्रधान संपादक: जादूगर प्रह्लाद राय, जयपुर

मुख्य संरक्षक: जादूगर एस. के. निगम

संरक्षक: डॉ. पी. एस. जैन

ब्रांड एंबेसडर: इल्यूजनिस्ट राजकुमार

मानद संपादक: जादूगर इंजीनियर मनोज कौशिक
 सह-संपादक: जादूगर इंजीनियर भरत भूषण पाही
 कॉलम संपादक और उप-संपादक: स्टंटमैन जादूगर शिव कुमार, जादूगर भरत सिंह
 राजपुरोहित

संपादकीय बोर्ड: जादूगर सिंहराज चंद्रवंशी, आर. जी. टैंक, बलजीत सोनी, प्रेम
 कुमार गुप्ता

प्रवक्ता: अर्जुन सिंह

प्रबंध संपादक: डॉ. सी. पी. यादव, मायावी दुनिया

भारतीय जादू की दुनिया को समर्पित एक हिंदी और अंग्रेजी मासिक पत्रिका-

"सालों की कड़ी मेहनत से बनी पहचान, एकता से मजबूत हुआ परिवार।"

भुवनेश्वर में एक सी सोच विचार वालों का मिलन



कोलकाता के मेंटलिस्ट कौशिक बिस्वास हाल ही में भुवनेश्वर में मेंटलिस्ट चिन्मय बनर्जी के घर आए।

दोनों कलाकारों ने मेंटलिज़्म की कला में नए ट्रेंड और नई टेक्नीक पर गहरी बातचीत की।

सम्मान और प्यार के तौर पर, मेंटलिस्ट चिन्मय बनर्जी ने श्री बिस्वास को भगवान जगन्नाथ की एक सुंदर फ्रेम की हुई तस्वीर उपहार दी।

यह तरीका जादू की दुनिया में भाईचारे और आपसी सम्मान की भावना को खूबसूरती से दिखाता है। मायावी दुनिया ब्रदरहुड के लिए चिन्मय बनर्जी की भूरी भूरी प्रशंसा करती है।

मैजिक कन्वेंशन / मैजिक फेस्टिवल

क्रम संख्या	जादू सम्मेलनों का नाम	तारीख	कार्यक्रम का स्थान:	प्रतिनिधि शुल्क:	आयोजक
1	ग्रांड वन डे मैजिक कन्वेंशन, जामनगर,	2. अक्टूबर -2026,	जामनगर	डेलीगेट शुल्क 700/-	संपर्क सूत्र: 85119 75119
2	नेशनल मैजिक फेस्ट, एर्नाकुलम नार्थ,	25- अक्टूबर -2026 ,	एर्नाकुलम नार्थ, केरलम,	डेलीगेट शुल्क 900/-	मलयाली मैजिक एसोसिएशन, संपर्क सूत्र: 94968 35168,

3	वार्षिक जादू महोत्सव मैजिक अथॉरिटी ऑफ इंडिया,	28-29 नवंबर. 2026	बल्ली, हावड़ा (पश्चिम बंगाल)	डेलीगेट शुल्क 800/-	देवाशीष साहा राय संपर्क सूत्र: - 9830301214, 9874068606
4	जंगीपारा जादू और जादूगर महोत्सव'26	10-11. दिसंबर. 2026	जंगीपारा		संपर्क सूत्र: 8250591433
5	मायावी पुणे सम्मेलन	16. जनवरी. 2027	पुणे (महाराष्ट्र)	डेलीगेट शुल्क 300/-	राष्ट्रीय जादू परिषद, पुणे संपर्क सूत्र: 8087726240
6	अंतर्राष्ट्रीय जादू महोत्सव मायालोक 2027	26-27-28 जनवरी. 2027	चित्तौड़गढ़ (राजस्थान)	डेलीगेट शुल्क 5100/-	जादूकमल बाबू लक्ष्मण सिंह गहलोत जयंती समारोह समिति संपर्क सूत्र: 9414207356
7	नेशनल कन्वेंशन एवं वाझक्कुत्रम कन्वेंशन,	7,8,9 फ़रवरी 2027	एरीना एसी हॉल, लीड कॉलेज, धोनी, पलक्कड़		मैजिशियन एसोसिएशन पलक्कड़ द्वारा आयोजित
8	जादू महोत्सव 2027	22-23. फ़रवरी. 2027	रुद्रपुर, उत्तराखंड	डेलीगेट शुल्क 1100/-	भारतीय जादू कला ट्रस्ट, जादूगर कुलदीप मिश्रा - संपर्क सूत्र: 7982879182

जादूगर जूनियर एस. लाल अपनी पत्नी के साथ पर्यटन महानिदेशक श्रीमती मुग्धा सिन्हा से मिले



3 अगस्त को, सीकर के शेखावाटी मैजिक सर्कल के जादूगर जूनियर एस. लाल (मुकेश शर्मा) ने नई दिल्ली में श्रीमती मुग्धा सिन्हा से मुलाकात की। श्रीमती सिन्हा एक वरिष्ठ IAS अधिकारी हैं और भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय के तहत पर्यटन महानिदेशक के पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने महानिदेशक से आग्रह किया कि पर्यटन विभाग अपनी योजनाओं में जादूगरों को प्राथमिकता दे, ताकि जादू की उपेक्षित कला को समर्थन मिल सके।

श्रीमती सिन्हा ने एक औपचारिक लिखित प्रस्ताव जमा करने का अनुरोध किया ताकि विभाग यह विश्लेषण कर सके कि जादूगरों के समुदाय की सबसे बेहतर तरीके से कैसे मदद की जा सकती है।

इस बैठक के दौरान जूनियर एस. लाल की पत्नी, श्रीमती नीतू शर्मा भी मौजूद थीं।

जादूगर चमन अग्रवाल ने मेरठ में बादशाह का स्वागत किया

राजस्थान के जोधपुर के मशहूर मैजिक डीलर और जादूगर चमन अग्रवाल 29 अगस्त को निजी दौरे पर मेरठ पहुँचे। वहाँ उन्हें पता चला कि ओडिशा के मशहूर मेंटलिस्ट जादूगर बादशाह का शो मेरठ में चल रहा है, तो चमन शाम 7 बजे शो में पहुँचे और गुलदस्ता भेंट कर बादशाह का स्वागत किया।

शो के बाद बादशाह ने भी चमन अग्रवाल को माला पहनाकर सम्मानित किया।

चमन ने बताया कि शो में दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। टिकट की कीमतें भी 150 रुपये से 500 रुपये के बीच रखी गई हैं।

'मायावी दुनिया' परिवार भाईचारे की दिशा में कदम बढ़ाने के लिए दोनों जादूगर भाइयों को दिल से बधाई देता है।



पिता-पुत्र की जोड़ी ने दर्शकों का मन मोहा



16 अगस्त को भुवनेश्वर के रेलवे ऑडिटोरियम में, जादूगर सुधांशु और उनके बेटे मास्टर रियांस ने अपने मैजिक शो से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। यह परफॉर्मेंस 'रोटरी क्लब ऑफ़ भुवनेश्वर मीडोज़' द्वारा आयोजित एक आर्ट कॉम्पिटिशन का हिस्सा थी।

अपने पिता, जादूगर सुधांशु के साथ मिलकर किए गए आत्मविश्वास से

भरे और आकर्षक प्रदर्शन के लिए युवा रियांस की खूब तारीफ़ हुई।

'मायावी दुनिया' मैगज़ीन परिवार, रियांस को जादू और पढ़ाई-लिखाई, दोनों ही क्षेत्रों में उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएँ देता है।

जादूगर विराट सी/जू के इन्द्रजाल का कुचामन सिटी मे शुभारंभ

विख्यात जादूगर विराट एवं जूनियर विराट युवा जादूगर सुमित के रंगीन इन्द्रजाल का शुभारंभ शनिवार 29 अगस्त को कुचामनसिटी के सिनेमा हाल केसर कला मंदिर के भव्य रंगमंच पर समाज सेवी प्रहलाद स्वामी के मुख्य आतिथ्य एवं लायंस क्लब अध्यक्ष श्रीराम काबरा की अध्यक्षता तथा आइटी आफिसर अर्जुन सोनी, शिवराज सोनी डीडवाना



तथा समाजसेवी आरती शर्मा ने दर्शकों की तालियों की गड़गड़ाहट के बीच फीता काटकर किया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने जादू कला को पारिवारिक मनोरंजन बताते हुए बच्चों को अवश्य यह

कार्यक्रम दिखाने की अपील की।

मायावी दुनिया परिवार युवा जादूगर सुमित सोनी के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

पाठक नामा

मायावी दुनिया, हार्दिक आभार एवं शुभकामनाएं

- जादूगर श्रीकांत शर्मा, खण्डेला (सीकर)

मायावी दुनिया परिवार की 20 वर्षों की गौरवशाली यात्रा जो पूर्ण होकर शीघ्र 21 वें वर्ष में प्रवेश कर रही है, इस शुभ अवसर पर हम सभी की ओर से आदरणीय जादूगर राय साहब, मनोज कौशिक, भारत भूषण पाही, भरतराज, अर्जुन सिंह एवं समस्त मायावी दुनिया संपादक मंडल के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करते हैं।

आपके समर्पण, अथक परिश्रम, दूरदर्शी सोच और संगठन के प्रति अटूट निष्ठा ने मायावी दुनिया पत्रिका को एक नई पहचान दिलाई है। आपने देश भर के जादूगरों को एक सूत्र में पिरोकर एक सशक्त और आत्मीय परिवार का निर्माण किया है। यह आपकी कर्म निष्ठा, नेतृत्व क्षमता और सेवा भावना का ही परिणाम है कि आज मायावी दुनिया परिवार निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है।

ईश्वर से प्रार्थना है कि आपको उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और निरंतर सफलता प्रदान करें तथा आपके मार्गदर्शन में मायावी दुनिया परिवार नई-नई ऊँचाइयों को प्राप्त करता रहे। सादर प्रणाम एवं हार्दिक धन्यवाद।

लिंक से मायावी दुनिया पत्रिका पढ़ने के लिए सरल तरीका

- जादूगर प्रहलाद राय, जयपुर

फेसबुक पर सबसे पहले ऊपर लेफ्ट साइड में तीन आडी लाइन को टच करने पर my groups खुलेगा।

My groups में मायावी दुनिया को टच करने पर मायावी दुनिया का बड़ा सा लोगो दिखेगा, इसमें नीचे दाहिनी ओर से बाईं ओर खिसकाने से files लिखा दिखेगा।

Files को टच करते ही मायावी दुनिया खुल जायेगी, सभी अंक नजर आएंगे, जो अंक पढ़ना है उसे डाउन लोड कर पढ़ सकते हैं।

याद रहे सबसे पहले मनोज कौशिक को फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजनी पड़ेगी जिसे अप्रूव करने के बाद ही लिंक खुलेगा।

फिर भी कठिनाई आए तो हमसे संपर्क कर पीडीएफ मंगवा सकते हैं।

याद रहे पीडीएफ किसी वाट्सएप्प ग्रुप या सोशल मीडिया पर वायरल नहीं करनी है।

काला जादू या अंधविश्वास- 5

जादू टोना मंतर मूठ, आधा सच या पूरा झूठ -

जादूगर अर्जुनसिंह, गाजियाबाद, (प्रवक्ता मायावी दुनिया)

मित्रों, मायावी दुनिया के प्रथम अंक में हमने एक स्तंभ जादू टोना मंतर मूठ, कितना सच कितना झूठ शुरू किया था किन्हीं कारणों से उसे जारी नहीं रख सके। अब मायावी दुनिया के नवनियुक्त प्रवक्ता भाई अर्जुनसिंह यह स्तंभ शुरू कर रहे हैं। अपनी प्रतिक्रिया जरूर दें। यह लेख स्व. अशोक भंडारी जी से लेखक की हुई लंबी वार्ता पर आधारित है।- संपादक



अभी तक आपने पढ़ा कैसे तांत्रिक या अघोरी, काला जादू और आध्यात्मिक शक्तियों के द्वारा मृत व्यक्ति की आत्मा को मोक्ष दिलाने एवं उससे बात करवाने का दावा करके लोगों में भ्रमित करते हैं।

बाबा को कैसे पता चलता है किसका साया है?



"मैं बता दूँगा किसका भूत है!" — आखिर बाबा को यह जानकारी मिलती कहाँ से है?

भूत उतारने का दावा करने वाले कुछ बाबा व्यक्ति को देखते ही कह देते हैं—

"इसके ऊपर फलौ व्यक्ति का साया है!"

"यह आत्मा बदला लेने आई है!"

सवाल उठता है—बाबा को यह पता कैसे चला?

क्या उन्होंने सचमुच किसी अदृश्य आत्मा को देखा?

या फिर इसके पीछे कोई मनोवैज्ञानिक और सामाजिक तरीका काम कर रहा है?

पर्दे के पीछे का खेल-

कई बार बाबा बातचीत के दौरान परिवार से ही छोटी-छोटी जानकारीयाँ निकाल लेते हैं—किसकी मृत्यु हुई, परिवार में किससे विवाद था, व्यक्ति किस बात से डरता है या हाल में क्या घटना हुई।

फिर उन्हीं संकेतों को जोड़कर एक कहानी तैयार कर दी जाती है।

कभी बाबा अनुमान लगाते हैं और सामने बैठे लोग स्वयं संकेत दे देते हैं—

"हाँ बाबा, बिल्कुल सही!"

बस यहीं से विश्वास और मजबूत हो जाता है।

इसे मनोविज्ञान में Cold Reading जैसी तकनीकों से समझा जा सकता है—ऐसे सामान्य या अनुमान-आधारित कथनों का इस्तेमाल, जिन्हें सामने वाला अपनी परिस्थितियों से जोड़ लेता है।

सबसे बड़ा सवाल

यदि बाबा वास्तव में किसी आत्मा को देख सकते हैं, तो क्या वे बिना परिवार से कोई जानकारी लिए, नियंत्रित परिस्थितियों में बार-बार वही पहचान बता सकते हैं?

यही है असली परीक्षा—दावा नहीं, प्रमाण!

मायावी दुनिया का उद्देश्य किसी के विश्वास का मजाक उड़ाना नहीं, बल्कि यह समझना है कि रहस्य के पीछे वास्तव में क्या है।

मायावी दुनिया पत्रिका का संदेश

“जिसे चमत्कार कहा जा रहा है, उसे एक बार सवालों की रोशनी में जरूर देखिए।

क्योंकि दावा कितना भी रहस्यमय हो—सच्चाई को प्रमाण की जरूरत होती है।”.....

क्रमशः जारी

लाडवा मे गौरव सम्राट ने किया जादूगर सूर्या का सम्मान



नरवाना, हरियाणा निवासी जादूगर सूर्या ने 10 जुलाई को लाड़वा, हरियाणा मे शो का शुभारंभ किया। लाड़वा के स्थानीय निवासी जादूगर गौरव सम्राट ने 25 जुलाई को सूर्या का शाल, मालाओं से स्वागत सम्मान किया।

वास्तव मे स्वागत सम्मान की यह परंपरा जादू जगत मे ब्रदरहुड का प्रतीक है।

दोनों जादूगरों के बीच जादू की वर्तमान दशा

और दिशा पर विस्तार से चर्चा हुई।

ना काहू से दोस्ती

ना काहू से दोस्ती, ना काहू से बैर। मायावी दुनिया मांगती आप सभी की खैर।।



मित्रों! किसी के द्वारा की गई प्रशंसा, निंदा या आलोचना से जो प्रभावित होते हैं वे शंख होते हैं। अपने आपको इतना छोटा बनाए रखो कि हर कोई आपके साथ बैठ सकें और अपना आचार-विचार इतना श्रेष्ठ रखो कि जब आप खड़े हों तो कोई बैठा न रह सके।

स्वस्थ आलोचक आपका हितैषी होता है किंतु यदि आलोचक हीन भावना से ग्रस्त हो, और मन मस्तिष्क में ईर्ष्या के बीज अंकुरित हो चुके हों तो वह केवल निंदा -बुराई, ईर्ष्या ही कर सकता है आलोचना नहीं, सैकड़ों बार अनुभव किया है। अपन तो यही कहेंगे कि यह जीवन 400-500 साल का नहीं है बहुत छोटा है इसे प्रेम, प्यार, सहयोग, ब्रदरहुड मे लगा दो, अंतिम दिन आपका काश! काश!! मे नहीं कटेगा, जब आप नहीं रहेंगे तब भी आपकी यादें रहेंगी, जीवन आपका सार्थक हो जायेगा।

जादूगर राय (प्रहलाद राय), जयपुर

संस्थापक एवं स्तंभ लेखक : - मायावी दुनिया

प्रशंसा अच्छी लगती है तो आलोचना भी सहना सीखें

मित्रों, रवीन्द्रनाथ टैगोर की एक पंक्ति मुझे आज भी याद है - "प्रशंसा मुझे शर्मिंदा करती है, क्योंकि मैं इसे गुप्त रूप से चाहता हूँ।"

आइंस्टीन से जुड़ा एक किस्सा भी याद आता है। उनके एक आविष्कार पर किसी ने आलोचनात्मक टिप्पणी की, तो आइंस्टीन ने उस पर ध्यान नहीं दिया। उसी आलोचक ने 17 वर्ष बाद फिर वही बात दोहराई। तब आइंस्टीन ने उसे गंभीरता से लिया, अपनी गलती को समझा और सुधारा। उन्होंने लिखा था - "काश, आलोचना को पहले ही समझ कर सुधार लिया होता, तो 17 वर्ष व्यर्थ न जाते।"

निष्पक्ष पत्रकारिता का धर्म भी यही है। यदि आपने अच्छा कार्य किया है, तो आपकी प्रशंसा होनी चाहिए। यह चापलूसी के लिए नहीं, बल्कि इसलिए कि इससे दूसरों को अच्छा करने की प्रेरणा मिलती है। और यदि आपसे कुछ गलत हुआ है, तो शत्रु-मित्र के भाव से परे हटकर तीखी आलोचना भी होनी चाहिए।

मायावी दुनिया के इस स्तंभ में आप पिछले 24 वर्षों से यही देख रहे हैं। कई बार अपनों से संबंध खराब भी होते हैं, लेकिन जो वास्तव में अपने होते हैं, वे कुछ समय बाद फिर जुड़ जाते हैं। वे जानते हैं कि पत्रकारिता धर्म निभाते हुए हमें ऐसा करना ही पड़ता है। जो केवल दिखावे का अपनत्व रखते हैं, उनकी हम परवाह भी नहीं करते। हाँ, यदि आलोचना के तथ्य गलत हों तो आप हमसे बात कर सकते हैं, हम सुधार कर क्षमा मांगने को भी तैयार हैं।

हमने आज तक बड़ी-बड़ी शख्सियतों की भी, उनकी गलती पर तीखी आलोचना की है और अच्छे काम पर प्रशंसा भी। इससे हमारे ब्रदरहुड पर रत्ती भर भी फर्क नहीं पड़ा, क्योंकि वह रियल ब्रदरहुड था। पूज्य शिवेंद्र विजय जी हमारे लेखन गुरु थे। उनसे 6 महीने तक 'जादू कला है या बला' विषय पर आलोचनात्मक लेखन और चर्चा की। परिणाम सबने देखा - हमारी गुरु-शिष्य परंपरा और भी मजबूत हो गई। आलोचना अपनों की गलती सुधारने के लिए होती है, लेकिन मूर्ख लोग इसे विरोध समझ लेते हैं।

सम्मेलन और स्वार्थ की राजनीति

एक बात और - स्वार्थी व्यक्ति यदि सही राह पर भी हो, तो भी उसके साथ खड़ा नहीं होना चाहिए। ऐसे लोग बिन पेंदे के लोटे होते हैं। किसी बड़े व्यक्ति के साथ फोटो खिंचवाने के लिए वे किसी के साथ भी धोखा कर सकते हैं, यह हमने अनेक बार महसूस किया है।

कुछ ऐसे निष्क्रिय लोग भी हैं, जिन्होंने जीवन में कभी शो ही नहीं किया, हाँ उनके पिता या दादा जादूगर रहे होंगे। वर्षों तक उन्हें कोई नहीं पूछता। ऐसे लोगों के बीच अचानक पदों की रेवड़ी बांट दी जाए तो वे सब कुछ भूल कर नाचने लगते हैं। उस पर यदि किसी सेलिब्रिटी के साथ फोटो खिंचवाने का मौका मिल जाए तो फिर क्या कहना।

आज सम्मेलन / समारोह एक बिजनेस बन चुका है। अपवाद स्वरूप आज भी कई लोग ऐसे सम्मेलन आयोजित करते हैं जिनमें निश्चित रूप से आर्थिक हानि उठानी पड़ती

है। आगरा में जितेन्द्र बघेल, पर्जन्य जी, गोपाल, सुरजन सिंह आदि उन्हीं में से हैं जो जादू कला को समर्पित हैं।

दूसरी ओर, ऐसे लोग भी हैं जो बहुत सम्मेलन कर चुके हैं, लेकिन उन्हें वह इज्जत भी नहीं मिलती जो एक आम जादूगर को मिलती है, जबकि उनके सम्मेलनों में केंद्रीय मंत्री और कई बार मुख्यमंत्री तक आए हैं। महान बनने या पॉपुलर होने का कोई शॉर्टकट नहीं होता। सम्मेलनों को सीढ़ी बनाकर केवल क्षणिक आत्म-संतुष्टि ही पाई जा सकती है।

जहां तक डेलीगेट शुल्क का सवाल है, एक व्यक्ति 4-5 समय में कितना खा सकता है? 4-5 समय के नाश्ते और भोजन पर 1000 रुपये खर्च माना जा सकता है। इसका दो से तीन गुना तक शुल्क ठीक है, जिसमें वेन्यू और हॉल का खर्च कवर हो सकता है। फिर स्पॉन्सर्स से मिली आर्थिक सहायता का हिसाब आज तक किसने दिया है? ज्यादा शुल्क लेकर हम जादूगरों के कौन से हितों की बात करते हैं?

मायावी दुनिया का सिद्धांत-

मुझे फोन पर कई लोग पूछते हैं कि सम्मेलनों में डेलीगेट संख्या बढ़ाने के लिए क्या करना चाहिए? मैं हंसते हुए कहता हूँ - "बड़े सपने दिखाओ, बहुत बड़े!" बाद में जब पूरे नहीं होंगे तो कोई घर आकर उलाहना तो देगा नहीं। चार दिन लोग भला-बुरा कहेंगे और फिर आयोजक को पहचान लेंगे। मारवाड़ी में कहावत है - "दोन्यूं खोई रै जोगना, मुद्रा न आदेश" - यही हाल अंत में बड़े सपने दिखाने वालों का होता है।

टीम मायावी दुनिया अब तक ऐसे बड़े-बड़े सपने दिखाने वाले सम्मेलनों से दूरी बनाकर रही है। ऐसे सम्मेलनों से लौटते हुए जादूगर बसों और ट्रेनों में ही आयोजकों के प्रति अपशब्दों का प्रयोग शुरू कर देते हैं और मायावी दुनिया में छापने को विवश कर देते हैं, और हम छापते भी हैं।

हम पत्रकारिता धर्म निभाते रहेंगे, जैसे अब तक निभा रहे हैं। मायावी दुनिया सबको साथ लेकर चलने के सिद्धांत पर दृढ़ है। देश के जादूगर हमसे पूछते हैं - आप एकजुट कैसे रह पाते हैं? हम कहते हैं - शातिर लोग यदा-कदा हमारे कई सदस्यों को व्यक्तिगत फोन कर हमारे बीच तोड़-फोड़ का प्रयास करते हैं, लेकिन उन्हें पता नहीं कि वही सदस्य सारी बातें हमारे बीच शेयर करते हैं और हम उन शातिरों की चाल पर हंसते-हंसते एकजुट रहते हैं।

मित्रो, 26 साल पहले और हाल ही मुझे अजमेर से कुछ लोगों ने एवं जयपुर के एक तथाकथित महान ने बहुत कडवे अनुभवों के तोहफे दिए, इस लिए कहता हूँ उन लोगों का न साथ दीजिए न साथ लीजिए जो आपसे केवल अपना स्वार्थ सिद्ध करना चाहते हैं। आप उन पर भरोसा कर उन्हें अपना मान बैठते हैं। सावधान रहिए सुखी रहेंगे।

इस जादू जगत में सभी श्रेष्ठ हैं सर्व श्रेष्ठ हैं सभी महान हैं गतिमान हैं और अंत में आप सबके भीतर बैठे महान जादूगर को अपना प्रणाम।

आप सबको जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

सितम्बर - अक्टूबर

क्रसं	जादूगर का नाम	स्थान	जन्म दिवस	फ़ोन नं
1	श्री वीरेंद्र भाई	हिम्मत नगर (गुजरात)	18 सितम्बर	
2	श्री भरत भाई मगन भाई पटेल	भरुच (गुजरात)	18 सितम्बर	9427834664
3	श्री राम स्वरूप कडवा	जोधपुर (राज.)	22 सितम्बर	9314295147
4	श्री अनिल नायक	गोवा	25 सितम्बर	8805210558
5	श्री विष्णुजीत राय	अजमेर (राज.)	30 सितम्बर	9530375276
6	श्री विनोद राय सी. त्रिवेदी	राजकोट (गुजरात)	1 अक्टूबर	9429549353
7	श्री दीपक भार्गव	देवली (राज.)	3 अक्टूबर	9636575538
8	श्री राजेश सी. चौहान	अहमदाबाद (गुजरात)	6 अक्टूबर	9824323138
9	श्री प्रशान्त भावसार	नागपुर (महा.)	8 अक्टूबर	9822239801

विशेष अनुरोध: - मायावी दुनिया के सभी पाठकों से अनुरोध है कि वे अपने जन्म दिनांक, स्थान और टेलीफोन नंबर भेजे ताकि उन्हें उचित तिथि को हार्दिक शुभ कामनाएँ भेजी जा सकें।

बिलासपुर में हरियाली के बीच जादू की छटा – वरिष्ठ जादूगर आर. पी. अग्रवाल का शो

बिलासपुर, छत्तीसगढ़ में 6 सितंबर को हरिहर ऑक्सी जोन वृक्षारोपण समिति, सेंदरी



के तत्वावधान में वरिष्ठ जादूगर श्री आर.पी. अग्रवाल का जादू कार्यक्रम संपन्न हुआ।

उल्लेखनीय है कि शहर में घटती हरियाली को देखते हुए श्री भुवन वर्मा की पहल पर वर्ष 2000 में कलेक्टर एवं कमिश्नर द्वारा ग्राम सेंदरी में 5 एकड़ जमीन समिति को दी गई थी। समिति के सदस्य प्रत्येक रविवार सुबह यहाँ एकत्र होकर वृक्षों की देखभाल करते हैं और जन्मदिन, वर्षगांठ पर

फलदार पौधों का रोपण कराते हैं। इसी सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत श्री अग्रवाल तथा परिवार के लोग भी वृक्षारोपण में सामिल हुए थे।

श्री अग्रवाल ने हमेशा की तरह बिना सहयोगी, बिना संगीत और बिना किसी शुल्क के लगभग एक दर्जन आइटम प्रस्तुत किए। उनके दो प्रयोगों को सर्वाधिक सराहना मिली - दोनों हाथों में रुमाल बाँधकर बीच से रस्सी खींचने के बाद भी रस्सी का सुरक्षित निकल आना और एक साधारण पत्रिका को पाइप बनाकर उसमें शंख ध्वनि निकालना।

कार्यक्रम के अंत में डी.सी.वी. रमन विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. शंकर यादव ने विश्वविद्यालय में अगला शो करने का आग्रह किया।

चलते – चलते

- जादूगर भरतराज, फ़ोन 8860403094

जादू जगत को भावभरा अभिवादन।



सकल समाज को गणेश चतुर्थी महोत्सव की शुभकामनाएं।
जादू समाज के लिए वर्तमान समय यकीनन चुनौतीपूर्ण है। खुद को महान बताने व दूसरों के सम्मान का ख्याल न रखना हमारी आपसी समझ को दर्शाता है।

आज कुछ विशेष कमियों को उजागर करने का प्रयास कर रहा हूँ।

आपसी एकता की कमी-

जादूगरों के बीच व्यक्तिगत प्रतिस्पर्धा और मतभेद कई बार सामूहिक हितों पर भारी पड़ते हैं। यदि कलाकार एकजुट होकर अपनी समस्याएँ उठाएँ तो उनकी आवाज़ अधिक प्रभावी हो सकती है।

कला के प्रति सम्मान और संगठन की कमी -

जादू को कई लोग आज भी केवल मनोरंजन समझते हैं, जबकि यह एक गंभीर प्रदर्शन कला है। जादूगरों का संगठित प्रयास इस कला को उचित सम्मान दिलाने में मदद कर सकता है।

नई पीढ़ी को प्रशिक्षण देने की कमी-

वरिष्ठ जादूगरों के पास वर्षों का अनुभव होता है, लेकिन कुछ को छोड़कर वे व्यवस्थित रूप से अगली पीढ़ी तक नहीं पहुँच पाते। प्रशिक्षण केंद्र, कार्यशाला और गुरु-शिष्य कार्यक्रम विकसित किए जाने चाहिए। जादूगर राय साहब, राजकुमार जी, आदि आज भी गुरु शिष्य परंपरा की वन्दनीय शख्सियतें हैं।

तकनीकी बदलाव के साथ कदम न मिलाना-

आज दर्शकों की पसंद में कुछ बदलाव आ रहा है। डिजिटल स्क्रीन, सोशल मीडिया, वीडियो कंटेंट और आधुनिक स्टेज तकनीक के साथ जादू को जोड़ने की आवश्यकता है। दूसरी ओर हस्त कौशल, स्लाइट आफ हैंड, क्लासिक मैजिक ओल्ड आइटम्स को अभ्यास के साथ दिखाने की आवश्यकता है। हम भले ही चांद सितारों तक पहुँच जाएं किंतु जादू तो दर्शक हस्त कौशल का ही पसंद करते हैं। हालांकि आज टेक्नोलॉजी का युग है किंतु जब कोई ऐसा जादू देखते हैं तो उनका उत्साह खतम हो जाता है।

कलाकारों की आर्थिक असुरक्षा-

बहुत से जादूगरों के लिए कार्यक्रम नियमित नहीं होते। मेहनत और अभ्यास के बावजूद आय स्थिर नहीं रहती। कलाकारों के लिए बीमा, पेंशन, सहायता कोष और सरकारी योजनाओं तक पहुँच जैसी व्यवस्थाएँ उपयोगी हो सकती हैं।

पेशेवर प्रबंधन और मार्केटिंग की कमी -

कई प्रतिभाशाली जादूगर अपनी कला में अच्छे होते हैं, लेकिन अपनी ब्रांडिंग, सोशल मीडिया, बुकिंग, प्रचार और व्यावसायिक प्रबंधन पर पर्याप्त ध्यान नहीं दे पाते।

जादू कला के इतिहास का संरक्षण नहीं होना -

पुराने जादूगरों, उनकी प्रस्तुतियों, दुर्लभ उपकरणों, पोस्टरों और तकनीकों का पर्याप्त दस्तावेजीकरण नहीं हो रहा। इससे आने वाली पीढ़ियाँ महत्वपूर्ण विरासत से वंचित हो सकती हैं, हालांकि मायावी दुनिया परिवार इसके लिए भरसक प्रयास करता है। संस्थापक-प्रकाशक खुद चलता फिरता इतिहास है।

नए प्रयोगों की कमी-

यदि जादू केवल पुराने और बार-बार दिखाए जाने वाले खेलों तक सीमित रह जाए तो दर्शकों की रुचि कम हो सकती है। भारतीय संस्कृति, कहानी, संगीत, विज्ञान और आधुनिक तकनीक के साथ नए प्रयोग आवश्यक हैं।

कलाकारों के अधिकारों के प्रति जागरूकता की कमी-

कार्यक्रम की फीस, अनुबंध, यात्रा खर्च, रिकॉर्डिंग के अधिकार और कार्यक्रम रद्द होने की स्थिति जैसे विषयों पर कलाकारों को स्पष्ट नियम और लिखित समझौते अपनाने चाहिए।

आपसी सम्मान का अभाव-

वरिष्ठ और कनिष्ठ कलाकारों के बीच दूरी, एक-दूसरे की कला को कमतर आँकना या व्यक्तिगत विवाद पूरे समाज को कमजोर करते हैं। प्रतिभा और अनुभव—दोनों का सम्मान होना चाहिए।

सबसे बड़ी आवश्यकता-

मेरे विचार से जादू समाज को प्रतिस्पर्धा से सहयोग बढ़ाना चाहिए। एक मजबूत जादूगर संगठन यदि प्रशिक्षण, कलाकारों के अधिकार, आर्थिक सहायता, सरकारी मान्यता, जादू महोत्सव, युवा प्रतिभाओं और जादू कला के इतिहास के संरक्षण पर काम करे, तो इस क्षेत्र में बड़ा बदलाव आ सकता है।

जादू समाज एक बहुप्रतिभा का धनी समाज माना जाता है पर भीतरघात या खींचतान इतनी बढ़ चुकी है कि जादू की हित को दरकिनार कर स्वयं के गुणों का ही बखान किया जाता है।

बार बार नाम लिखना ठीक नहीं, आज भी कई मानक स्तम्भ ऐसे हैं जिन्होंने अपना जीवन इस कला को समर्पित कर दिया, आप खुद जानते हैं।

आप सबके भीतर जादू कला के उत्थान की भावना व कमियों पर चिंता के भाव को मेरा नमन। जादू का सम्मान ही हर जादूगर का सम्मान माना जाना चाहिए। मायावी दुनिया परिवार अपना, जादू की सेवा ही सबका सपना। जय जादू, जय भारत।

मायावी दुनिया - निःशुल्क डीलर्स पेज

जादू सामग्री विक्रेता / डीलर निर्देशिका-

भारतीय जादू जगत की सेवा के उद्देश्य से, मायावी दुनिया (भारतीय जादू जगत को समर्पित हिंदी एवं अंग्रेजी मासिक पत्रिका) ने जादू सामग्री के विक्रेताओं, होलसेलर्स और निर्माताओं के लिए एक विशेष निःशुल्क प्रचार पृष्ठ प्रारम्भ करने का निर्णय लिया है।

इस योजना का उद्देश्य नए जादूगरों को विश्वसनीय विक्रेताओं तक पहुँचाना और जादू विक्रेताओं की गतिविधियों को समान रूप से प्रकाश में लाना है।

इस पृष्ठ पर क्या प्रकाशित होगा?

1. विक्रेता / दुकान का नाम,
2. प्रोपराइटर का नाम
3. पूरा पता, शहर, राज्य'
4. मोबाइल / व्हाट्सएप नंबर
5. उपलब्ध जादू सामग्री का संक्षिप्त विवरण (जैसे - स्टेज आइटम, क्लोज-अप, इल्यूज़न, बुक्स, आदि),
6. एक फोटो (दुकान या लोगो)

यह प्रकाशन पूर्णतः निःशुल्क रहेगा। इसके लिए किसी भी प्रकार का शुल्क नहीं लिया जाएगा।

प्रकाशन के लिए कैसे भेजें?

इच्छुक विक्रेता अपनी जानकारी साफ अक्षरों में टाइप करके, एक फोटो के साथ हमारे व्हाट्सएप नंबर या ईमेल पर भेज सकते हैं।

नियम व शर्तें / अस्वीकरण, कृपया ध्यानपूर्वक पढ़ें -

1. सामाजिक पहल: यह पृष्ठ केवल जादूगरों की सुविधा के लिए एक सामाजिक पहल है। इसका उद्देश्य जादू कला से जुड़े व्यवसायों को समान रूप से प्रोत्साहित करना है। यह कोई व्यावसायिक साझेदारी नहीं है।

2. कोई कानूनी / आर्थिक जिम्मेदारी नहीं: इस पृष्ठ पर प्रकाशित किसी भी डीलर, विक्रेता या होलसेलर के साथ किए गए किसी भी प्रकार के लेन-देन, खरीद-फरोख्त, एडवांस भुगतान, उधारी या अन्य व्यावसायिक गतिविधि के लिए मायावी दुनिया परिवार, उसके संस्थापक-प्रकाशक, संपादक मंडल, संरक्षक या प्रतिनिधि किसी भी प्रकार से कानूनी, सामाजिक या आर्थिक रूप से जिम्मेदार नहीं होंगे।

3. स्वयं की जांच आवश्यक: सभी पाठकों / जादूगरों से अनुरोध है कि किसी भी डीलर से सामान खरीदने से पहले उसकी विश्वसनीयता, सामान की गुणवत्ता, कीमत और डिलीवरी संबंधी शर्तों की जांच स्वयं करें। किसी भी विवाद की स्थिति में आपसी समझौते से समाधान करें।

4. जानकारी की सत्यता: प्रकाशित की जाने वाली समस्त जानकारी संबंधित विक्रेता द्वारा प्रदान की गई होगी। जानकारी की सत्यता की जिम्मेदारी स्वयं विक्रेता की होगी। गलत जानकारी पाए जाने पर मायावी दुनिया को बिना सूचना के उस प्रविष्टि को हटाने का पूर्ण अधिकार होगा।

5. संपादकीय अधिकार: किस विक्रेता की जानकारी को प्रकाशित करना है, किस क्रम में प्रकाशित करना है और कब तक प्रकाशित रखना है, इसका अंतिम निर्णय मायावी दुनिया संपादक मंडल का होगा।

6. निःशुल्क सेवा: यह प्रचार पूर्णतः निःशुल्क है। यदि कोई व्यक्ति मायावी दुनिया के नाम पर इस सेवा के लिए पैसे मांगता है, तो कृपया तुरंत हमें सूचित करें और उस पर यकीन न करें। इस नेक पहल में सहयोग के लिए सभी जादू सामग्री विक्रेताओं का स्वागत है।

संपर्क:- संस्थापक-प्रकाशक एवं प्रधान संपादक: जादूगर प्रहलाद राय, जयपुर

मानद सम्पादक: जादूगर मनोज कौशिक

मानद सह सम्पादक: जादूगर भारत भूषण पहि

मायावी दुनिया - जादू जगत को समर्पित हिंदी एवं अंग्रेजी मासिक पत्रिका

याद उन्हें भी कर लो, जो अब नहीं रहे - हार्दिक श्रद्धांजलि

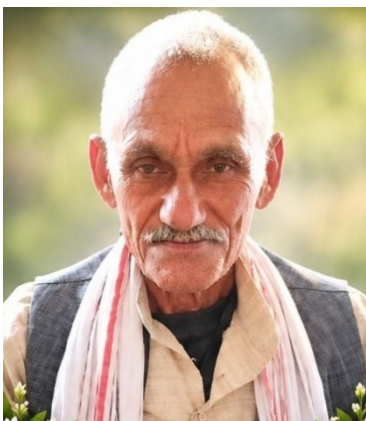
सितम्बर - अक्टूबर			
क्र. सं.	नाम	निवास स्थान	पुण्य तिथी
1	स्व. श्री आर. नाथ,	बीकानेर (राज.)	16-09-2018
2	स्व. श्री निमानो,	बड़ोदा (गुजरात)	17-09-2005
3	स्व. श्री सी. पी. शर्मा	कोटा, (राज.)	21-09-2015
4	स्व. श्री ग्रेट के. लाल,	अहमदाबाद (गुज.)	23-09-2012
5	स्व. श्री जयंती लाल बारोट	भीकाभाई (गुजरात)	23-09-2017
6	स्व. श्री जादूगर मेंट्रेक (अल्बर्टो सोब्रिनो गोमेज़)	मैक्सिकन	24-09-2021
7	स्व. श्री तुषार जगदीशभाई बारोट,	बड़ोदा (गुजरात)	25-09-2018
8	स्व. श्री सूरजकुमार विश्वकर्मा	मुंबई	25-09-2021
9	स्व. श्री अमृत भाई (ए. लाल)	गुजरात,	27-09-2020
10	स्व. श्री पी. लाल जी,	सीकर (राज.)	28-09-2015
11	स्व. श्री जादूगर मास्टर सोली	कल्याण मुंबई	28-09-2021
12	स्व. श्री जादूगर जय शंकर (जूनियर अभिताभ)	फरीदकोट	29-09-2021
13	स्व. श्री प्रो. रुनवाल (नन्दलाल जोशी)	(राज.)	30-09-2006
14	स्व. श्री क्रिस क्रिस्टो,	फिलीपींस,	01-10-2023
15	स्व. श्री प्रणब कुमार सेनगुप्ता	रिशारा, प. बंगाल	02-10-2021
16	पराग कसारा,	गुजरात	05-10-2022
17	स्व. श्री सुधीर कुमार नायक	ओड़िशा	06-10-2021
18	स्व. श्री एस. के. मल्होत्रा	दिल्ली,	07-10-2017
19	स्व. श्री दिलीप वर्मा	कोलकाता,	08-10-2025
20	स्व. श्री लैरी बैकर,	बाल्टीमोर, मैरीलैंड	08-10-2023
21	स्व. श्री अरुण कुमार दत्त (ए के दत्त),	बैंगलोर	10-10-2023
22	स्व. श्री शंकर दास,	कोलकत्ता, (प. बं.)	11-10-1998
23	स्व. श्री प्रो. नाग,	रामुनदरी (आंध्र प्र.)	12-10-1968
24	स्व. श्री कमल,	भावनगर,	12-10-2020
25	स्व. श्री डार्विन आर्टिज,	अमेरिका,	14-10-2023
26	स्व. श्री राजेश राजस्थानी,	आमेट (राज.)	15-10-2015
27	स्व. श्री ओ. पी. शर्मा,	कानपुर (उ. प्र.)	15-10-2022

देश के नियमित रंगमंच (थियेटर) जादू शो

- स्टंटमैन जादूगर शिवकुमार

सितारे का नाम	वेन्यू	शहर, राज्य	तारीख से
जादूगर आनंद	विश्राम पर	-	-
करण जादूगर	विश्राम पर	-	-
जादूगर शिवकुमार	हनुमानगढ़	(राजस्थान)	18 सितंबर
जादूगर ओ. पी. शर्मा (जूनियर)	बनारस	(यू. पी.)	24 जुलाई
जादूगर अजूबा	भगता भाई	(पंजाब)	10 सितंबर
जादूगर आंचल	मेहसाणा	(गुजरात)	-
जादूगरनी भावना	कोई सूचना नहीं है	-	-
जादूगर विराट (जूनियर)	कुचामन सिटी	(राजस्थान)	29 अगस्त
जादूगर मंगल (जूनियर)	कोई सूचना नहीं है	-	-
जादूगर सिकंदर	नेल्लोर	(ए. पी.)	20 अगस्त
जादूगर एम. के. पंडित	साहिबगंज	(बिहार)	27 अगस्त
जादूगर शंकर सम्राट	दुमका	(बिहार)	12 अगस्त
जादूगर रौनक नटवरलाल	बांसवाड़ा	(राजस्थान)	21 अगस्त
जादूगर जे. कुमार	कोई सूचना नहीं है	-	-
जादूगर राजकुमार	-	-	-
जादूगर आर सरकार	कोई सूचना नहीं है	-	-
जादूगर हेमराज	गोहाटी	आसाम	4 अगस्त
जादूगर विकास	-	-	-
जादूगर आर. के. हीरा लाल	कोई सूचना नहीं है	-	-
जादूगर एस. के. सरकार	सूरत	(गुजरात)	10 अगस्त
जादूगर बादशाह (ओडिशा)	मेरठ	(यू. पी.)	22 अगस्त
जादूगर दीप कुमार	मोतिहारी	(बिहार)	18 मार्च
जादूगर पी. के. सम्राट	-	-	-
जादूगर देव कुमार पाशा	-	-	-
जादूगर शिवा	-	-	-
जादूगर सम्राट शाका	कोई सूचना नहीं है	-	-
जादूगर लखन	कोई सूचना नहीं है	-	-
जादूगर श्याम सम्राट	रामा मंडी	(पंजाब)	11 सितंबर

नोट: - जादूगर बंधु किसी सितारे के रंगमंच पर जाने से पहले फोन से बात कर वेन्यू तथा शो की तारीख निश्चित करने के बाद ही मिलने पहुंचें। - जादूगर शिवकुमार



जादूगर देवव्रत द्विवेदी को पितृ शोक

मदन भारती से प्राप्त समाचार अनुसार प्रयागराज जिले के निवासी जादूगर देवव्रत द्विवेदी के पिता कौशल प्रसाद द्विवेदी का 7 सितंबर को स्वर्गवास हो गया।

वे कानून के अच्छे ज्ञाता भी थे।

मायावी दुनिया परिवार उनके निधन पर अपनी संवेदनाएं प्रेषित करता है।

मॉरीशस के प्रसिद्ध जादूगर जूनियर उस्ताद राजा का निधन

जादू जगत से एक अत्यंत दुःखद समाचार प्राप्त हुआ है। मॉरीशस के सुप्रसिद्ध जादूगर शैलेश शर्मा चुटू जिन्हें जादुई दुनिया में *मैजिशियन जूनियर उस्ताद राजा के नाम से जाने जाते थे, का 1 सितंबर 2026 को भारत में निधन हो गया। वे मात्र 44 वर्ष के थे।



स्वर्गीय शैलेश शर्मा (चुटू), बारामिया, रोज़ बेल, मॉरीशस निवासी श्री गुरुदत्त चुटू के प्रिय पुत्र थे। उन्होंने अपने जादुई कौशल से मॉरीशस ही नहीं, अन्य स्थानों में भी भारतीय जादूकला का परचम लहराया था। उनके असामयिक निधन से संपूर्ण जादू बिरादरी में शोक की लहर दौड़ गई है।

उनकी अंतिम यात्रा शनिवार, 5 सितंबर 2026 को प्रातः 11:30 बजे (भारतीय मानक समय) महिपालपुर, नई दिल्ली से लोधी श्मशान घाट, नई दिल्ली के लिए प्रस्थान करेगी, जहाँ उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा।

मायावी दुनिया पत्रिका परिवार दिवंगत आत्मा की शांति हेतु ईश्वर से प्रार्थना करता है तथा शोक-संतप्त परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता है।

जादू की दुनिया में मैजिक के उस्ताद जुआन तामारिज़ के निधन पर शोक



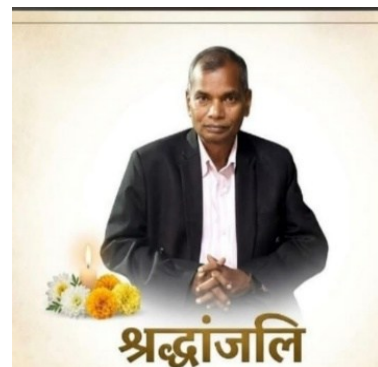
आधुनिक मैजिक की दुनिया के सबसे सम्मानित और प्रभावशाली लोगों में से एक, जुआन तामारिज़ (18 अक्टूबर 1942 – 18 अगस्त 2026) के निधन से पूरी दुनिया का मैजिक समुदाय शोक में है। एक असाधारण कलाकार होने के साथ-साथ, तामारिज़ दुनिया भर के कई पीढ़ियों के जादूगरों के लिए एक शिक्षक, विचारक, नई सोच लाने वाले और प्रेरणास्रोत थे। मंच पर उनका अनोखा अंदाज़, उनकी खास हंसी और मैजिक की कला की गहरी समझ ने उन्हें मंच और क्लासरूम, दोनों ही जगहों पर एक बड़ी हस्ती बना दिया था।

अपनी शानदार परफॉर्मेंस, अहम किताबों और लेक्चर, और दशकों तक सिखाने के काम के ज़रिए, तामारिज़ ने आज मैजिक को सीखने, दिखाने और समझने के तरीके को आकार दिया। उनका असर उन अनगिनत जादूगरों के काम में देखा जा सकता है जिनकी ज़िंदगी और कला को उन्होंने प्रभावित किया।

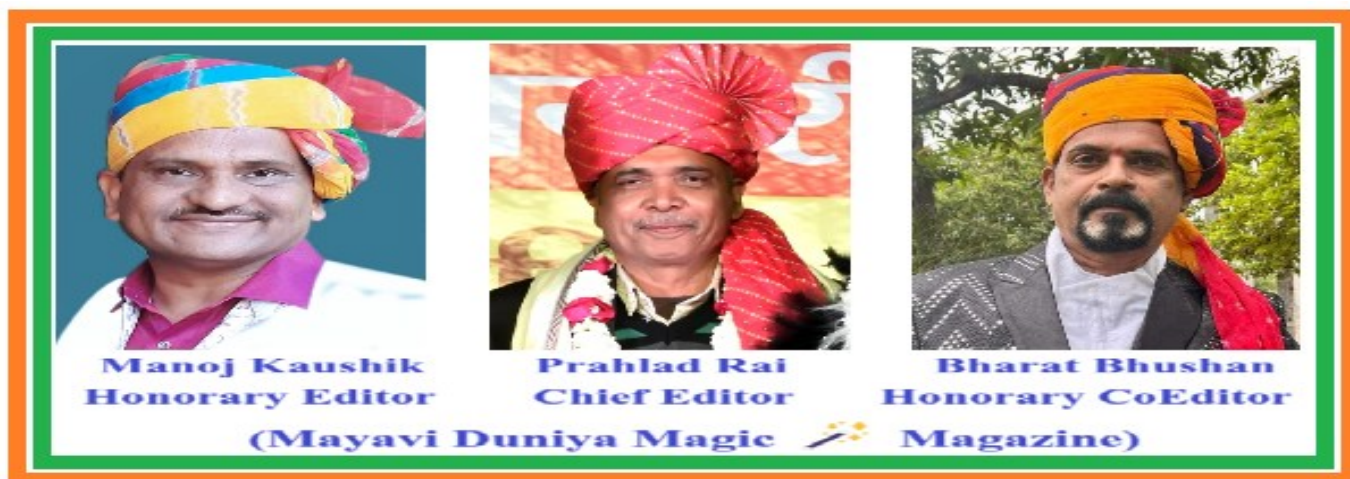
*मायावी दुनिया उनके परिवार, दोस्तों और पूरे मैजिक समुदाय के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करती है।

सोनभद्र के जादूगर आर. पी. शर्मा का निधन

सोनभद्र के जादूगर आर. पी. शर्मा का 18 अगस्त 2026 को निधन हो गया। शर्मा जी न केवल एक कुशल कलाकार थे, बल्कि एक ऐसे मार्गदर्शक भी थे जिन्होंने कई युवा जादूगरों का मार्गदर्शन किया। उनकी समझदारी, विनम्रता और कला के प्रति उनके समर्पण को पूरी जादू-मंडली हमेशा याद रखेगी। ईश्वर उनकी नेक आत्मा को शांति प्रदान करें और उनके परिवार को इस अपूरणीय क्षति को सहने की शक्ति दें। 'मायावी दुनिया' परिवार की ओर से उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि। -जादूगर गोलू से मिली खबर



मायावी दुनिया ने अपने प्रकाशन के 19 वर्ष 7 अप्रैल 2026 को पूर्ण कर 20 वें वर्ष में प्रवेश किया



पाठक बंधु मायावी दुनिया 2 E जादूगरों का फ्रेंड सर्किल है इस में प्रकाशित सामग्री लेखकों के निजी विचार है सब सहमत हों आवश्यक नहीं है। हमारे सोच की दिशा कला और कलाकार के हित में है तथा हम अपने विचार इस प्लेटफॉर्म के माध्यम से शेयर करते हैं। कला का उत्थान हो यही हमारा उद्देश्य होना चाहिए।

अपने सुझाव आप फोन +919251370777 या +919875142678 पर जरूर देवें और खबर और फोटो भेजें या Email करें।

gaurmanojkaushik68@gmail.com or mayavidunya@gmail.com

मायावी दुनिया में प्रकाशित किसी भी सामग्री पर विवादों का न्याय क्षेत्राधिकार सिर्फ जयपुर होगा

मायावी दुनिया ने अपने 19 साल पूरे करने के बाद 7 अप्रैल को अपने 20 वें वर्ष में प्रवेश कर लिया है। पिछले 19 वर्षों की अपनी यात्रा में इसे आप सभी का खूब स्नेह, प्यार और समर्थन मिला है। आप सभी का हृदय से आभार। हम चाहते हैं कि हमारे भविष्य के अंकों को भी समृद्ध करने के लिए आप सभी का समर्थन मिलता जाएगा। एक बार फिर आपका धन्यवाद।

नोट :- सभी जादूगर बंधुओं को सूचित किया जाता है कि मायावी दुनिया पत्रिका में प्रकाशनार्थ समाचार सीधे ही मानद संपादक जादूगर इंजीनियर मनोज कौशिक के व्हाट्सएप नंबर **9875142678** अथवा प्रधान संपादक जादूगर प्रह्लाद राय, जयपुर के व्हाट्सएप नंबर **9057240329** पर भिजवाएं। किसी भी ग्रुप में प्रकाशित समाचार का प्रकाशन अब इस पत्रिका में संभव नहीं होगा। अतः अप्रकाशित समाचार ही भिजवाएं। किसी भी ग्रुप में समाचार का प्रकाशन पत्रिका के प्रकाशन के उपरांत ही करें। धन्यवाद।

संस्थापक एवं प्रकाशक

जय जादू

मानद सम्पादक

जय भारत